नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया संविधान दिवस

संविधान ने जनता को शक्ति प्रदान की है -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

संविधान की हिंदी, अंगेजी प्रास्ताविका का किया लोकार्पण

वर्धा दि. 26 नवंबर 2015: भारतीय संविधान में निहित तत्व और मूल्यों ने भारतीय जनता को शक्ति प्रदान की है। संविधान देश को सूचारू रूप से संचालित करने का रास्ता दिखाता है। संविधान में उदारता और दृढ़ता का मूल तत्व है। अनेक जटिल प्रश्नों के उत्तर तलाशने का प्रभावी साधन है

संविधान। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे विश्वविद्यालय में भारतरत्न डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 125 वीं जयंती के

तारतम्यता में गुरुवार दि. 26 नवंबर को आयोजित संविधान दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की धरती डॉ. आंबेडकर के विचारों से ओतप्रोत है और आज इस भूमि पर स्थापित विश्वविद्यालय में उनके

द्वारा लिखित संविधान की प्रास्ताविका का लोकार्पण करते हुए हम सब गर्व हा अनुभव कर रहे हैं।

संविधान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में संविधान की प्रास्ताविका का लोकार्पण कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा किया गया। उनके द्वारा संविधान की हिंदी एवं अंग्रेजी

प्रस्तावना का वाचन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. एम. एल. कासारे ने भी अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि संविधान में उल्लेखित न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुता आदि जीवन के मूल्य होने चाहिए। उन्होंने माना कि समाज में कानून और शिक्षा से ही परिवर्तन आएगा। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने

प्रस्तुत किया। संविधान प्रास्ताविका के लोकार्पण समारोह में विवि के अध्यापक, अधिकारी, कर्मी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।